SET-1

Series RLH/2

कोड नं.
Code No. **4/2/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×6=12*

मनुष्य जन्म से ही अहंकार का इतना विशाल बोझ लेकर आता है कि उसकी दृष्टि सदैव दूसरे के दोषों पर ही टिकती है । आत्मनिरीक्षण को भुलाकर साधारण मानव केवल पर-छिद्रान्वेषण में ही अपना जीवन बिताना चाहता है । इसके मूल में उसकी ईर्ष्या की दाहक दुष्प्रवृत्ति कार्यशील रहती है । दूसरे की सहज उन्नति को मनुष्य अपनी ईर्ष्या के वशीभूत होकर पचा नहीं पाता और उसके गुणों को अनदेखा करके केवल दोषों और दुर्गुणों को ही प्रचारित करने लगता है । इस प्रक्रिया में वह इस तथ्य को भी आत्मविस्मृत कर बैठता है कि ईर्ष्या का दाहक स्वरूप स्वयं उसके समय, स्वास्थ्य और सद्‌वृत्तियों के लिए कितना विनाशकारी सिद्ध हो रहा है । परनिंदा को हमारे शास्त्रों में भी पाप बताया गया है । वास्तव में मनुष्य अपनी न्यूनताओं, अपने दुर्गुणों की ओर दृष्टि उठाकर देखना भी नहीं चाहता क्योंकि स्वयं को पहचानने की यह प्रक्रिया उसके लिए बहुत कष्टकारी है । अपनी वास्तविकता – अपनी क्षुद्रता – उसे इतना क्षुब्ध करती है कि वह उसे भुलाकर दूसरों के दोषों को ढूँढ़कर ही अपना दुख हल्का करना चाहता है । विवेकशील, ज्ञानी पुरुष अपने बारे में इस वास्तविकता से मुख मोड़ने के स्थान पर आत्मनिरीक्षण को ही श्रेयस्कर समझते हैं । इस आत्मनिरीक्षण के कठिन रास्ते पर चलकर ही मनुष्य अपनी दुष्प्रवृत्तियों को पहचान कर उनसे मुक्ति प्राप्त कर सकता है । मनीषियों की गम्भीर वाणी इसी कारण सदैव अपने दोषों को ढूँढ़ने का ही उपदेश देती है किन्तु इस व्यवहार में वे ज्ञानी व्यक्ति ही आते हैं जो अपने विषय में कटु सत्यों का सामना करने को तत्पर रहते हैं । सन्त कबीर के एक दोहे में इसी तथ्य का निरूपण बड़े सरल शब्दों में किया गया है –

‘बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय
जो मन देखूँ आपना, मुझ सा बुरा न कोय’

(क) मनुष्य की दृष्टि दूसरों के दोषों पर क्यों टिकी रहती है और वह कैसा जीवन बिताना चाहता है ?

(ख) ईर्ष्या किसे कहते हैं ? इससे मनुष्य को क्या हानियाँ होती है ?

(ग) कौन-सी प्रक्रिया मनुष्य के लिए कष्टकारी है ? इसका कारण क्या है ?

(घ) विवेकशील व्यक्ति क्या अच्छा मानते हैं और क्यों ?

(ङ) गद्यांश के आधार पर सद्प्रवृत्तियों और दुष्प्रवृत्तियों के दो-दो उदाहरण दीजिए ।

(च) आशय स्पष्ट कीजिए – 'जो मन देखूँ आपना, मुझ सा बुरा न कोय ।'

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो ।
है रुकी जहाँ भी धार शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चन्द्रमाओं को पकड़ निचोड़ो,
चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे ।।

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाए ।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो एक ही बार मरता है ।
तुम स्वयं मृत्यु के मुख पर चरण धरो रे,
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।

स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है ।
नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।

वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे ।
जो पड़े आन खुद ही सब आग सहो रे ।।

(क) काव्यांश में कवि ने 'विजयी' के रूप में जीने के लिए क्या-क्या करने को कहा है ?

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए – 'मरता है जो एक ही बार मरता है ।'

(ग) संसार में स्वतंत्रतापूर्वक कौन जीवित रह सकते हैं ?

(घ) काव्यांश के संदेश को संक्षेप में लिखिए ।

खण्ड ख

3. पद और शब्द में क्या अन्तर है ? उदाहरण देकर दोनों को स्पष्ट कीजिए । *1+1=2*

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×3=3*

(क) आलोक ने कहा कि वह परीक्षा नहीं देगा । (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) नदी में बाढ़ आने पर गाँव के लोग परेशान हो जाते हैं । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) जो सोता है सो खोता है । (सरल वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

दिन-रात, भारतवासी ।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

सुंदर जो चित्र, हाथ से लिखा ।

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : *1×4=4*

(क) तुम तुम्हारा काम करो ।

(ख) मैंने नहाना है ।

(ग) तुम उससे क्या बोला ?

(घ) अब तो हमें देखने का है ।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : *1+1=2*

घी के दिए जलाना, कीचड़ उछालना ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) 'गिरगिट' कहानी में किस पात्र को गिरगिट कहा जा सकता है और क्यों ?

(ख) बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'टी सेरेमनी' किसे कहा जाता है ? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : *5*

'शाश्वत मूल्य से आप क्या समझते हैं ?' 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में इन मूल्यों की क्या प्रासंगिकता है ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2+1=5*

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं । लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं । वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं ! ख़ूब ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है ।

(क) व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहकर क्या करते हैं ?

(ख) महत्त्व की बात किसे माना गया है और क्यों ?

(ग) आदर्शवादी लोगों की समाज को क्या देन है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) बिहारी के दोहे में जगत को तपोवन-सा क्यों कहा गया है ? इससे कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ख) मैथिलीशरण गुप्त ने उदार व्यक्ति के क्या-क्या लक्षण बताए हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' में दीपक किसका प्रतीक है ?

12. ‘कर चले हम फ़िदा’ कविता पाठक के मन को छू जाती है । आपके मत में इसके क्या कारण हो सकते हैं ? लिखिए । *5*

13. ‘अलग-अलग धर्म और जाति मानवीय रिश्तों में बाधक नहीं होते ।’ ‘टोपी शुक्ला’ पाठ के आलोक में प्रतिपादित कीजिए । *5*

खण्ड घ

14. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कश्मीर में जल-प्रलय

- क्यों और कैसे
- जन-धन की क्षति
- सुझाव

(ख) शिक्षा में सदाचार

- सदाचार क्यों
- कैसे
- लाभ

(ग) पुस्तकालय

- अच्छे पुस्तकालय की पहचान
- लाभ
- अधिकाधिक उपयोग

15. मेट्रो रेल या रेल यात्रा में चोरी की बढ़ती हुई घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक को एक पत्र लिखिए । 5

16. 'शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में इस अधिकार का लाभ उठाने के लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए । 5

17. 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक' विषय पर दो मित्रों के बीच हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए । 5

18. वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किए जा रहे किसी आयोजन के प्रमुख आकर्षणों का उल्लेख करते हुए लगभग 30 शब्दों में एक सूचना लिखिए । 5

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'क'	
1	1 (क)	2 (क)	1 (क)	• जन्मजात अहंकार के कारण • अपनी कमियों को अनदेखा कर दूसरों की कमियों पर ध्यान देकर	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• दूसरे की उन्नति को सहन न करना (जलना) • समय, स्वास्थ्य और सद्वृत्तियों के लिए विनाशकारी	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	• स्वयं की कमियों और दुर्गुणों को पहचानने की प्रक्रिया मनुष्य के लिए कष्टकारी है। • अपनी कमियाँ मनुष्य को दुखी करती हैं इसलिए वह दूसरों के दोषों को ढूँढ़कर अपना दुख कम करना चाहता है।	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	• आत्मनिरीक्षण को • आत्मनिरीक्षण द्वारा मनुष्य अपनी बुराइयों को पहचानकर उनसे मुक्ति प्राप्त कर सकता है।	1+1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	• आत्मनिरीक्षण, विवेकशीलता, कर्मशीलता, सद्भाव, सदाचार आदि सद्प्रवृत्तियाँ। • अहंकार, ईर्ष्या पर–छिद्रान्वेषण, दुर्गुणों का प्रसार आदि दुष्प्रवृत्तियाँ। (प्रत्येक की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	(च)	(च)	(च)	आत्मनिरीक्षण द्वारा मनुष्य यह जान जाता है कि अच्छाइयाँ और बुराइयाँ प्रत्येक मनुष्य में मौजूद हैं इसलिए दूसरों की कमियों पर	

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				ध्यान देने से अच्छा अपनी कमियों को दूर करना है।	2 12
	2 (क)	1 (क)	2 (क)	• वीर और कर्मशील बनें। • बाधाओं से न डरें। • अपनी आन-बान-शान को बनाए रखें। • मृत्यु का भय भी न मानें। (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	मृत्यु के भय से अपना स्वाभिमान न छोड़ें। अन्याय को सहन न करें। मृत्यु एक ही बार आती है और वह अवश्यंभावी है।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	जो व्यक्ति स्वतंत्रता के भाव से भरे हैं और इसके मार्ग में आनेवाली बाधाओं और चुनौतियों के समक्ष झुके बिना बड़े से बड़ा आघात सहते हैं।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	कवि ने वैराग्य भाव छोड़ने, कर्मशील बनने, मृत्यु से डरे बिना अन्याय का प्रतिकार करने एवं स्वाधीनतापूर्वक रहने का संदेश दिया है। (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2 8
				खंड 'ख'	
3	3	3	3	वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं। व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद बन जाता है।	

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				शब्द – कमल पद– कमल सुन्दर फूल है (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य हैं।)	1+1=2
4	4	4	4		
	(क)	(क)	(क)	मिश्र वाक्य	1
	(ख)	(ख)	(ख)	नदी में बाढ़ आती है इसलिए / और गाँव के लोग परेशान हो जाते हैं।	1
	(ग)	(ग)	(ग)	सोने वाला खोता है।	1 3
5	5	–	–		
	(क)	–	–	दिन और रात – द्वंद्व समास भारत के वासी – तत्पुरुष समास	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	(ख)	–	–	सुचित्र / सुन्दर चित्र – कर्मधारय समास हस्तलिखित – तत्पुरुष समास	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	–	5	–		
	–	(क)	–	हृदय की हीनता – तत्पुरुष समास शशि के समान / जैसा मुख – कर्मधारय समास	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	–	(ख)	–	शुद्ध दूध – कर्मधारय समास क्रीड़ा क्षेत्र – तत्पुरुष समास	½ +½ =1 ½ +½ =1 2

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	–	–	5		
	–	–	(क)	पुस्तकों / पुस्तक के लिए / का आलय - तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				सुख और दुख - द्वंद्व समास	½ +½ =1
					2
	–	–	(ख)	सत्यवचन - कर्मधारय समास	½ +½ =1
				जोश-खरोश - द्वंद्व समास	½ +½ =1
					2
6	6	–	–		
	(क)	–	–	तुम अपना काम करो।	1
	(ख)	–	–	मुझे नहाना है।	1
	(ग)	–	–	तुमने उससे क्या बोला? / (कहा?)	1
	(घ)	–	–	अब तो हमें देखना है।	1
					4
	–	6	–		
	–	(क)	–	कृपया आप यहाँ से हट जाएँ / जाइए।	1
	–	(ख)	–	मेरे घर में आज सफ़ेदी हो रही है।	1
	–	(ग)	–	चेक पर आपके हस्ताक्षर नहीं हैं।	1
	–	(घ)	–	हमने भी तो यही कहा था / हम भी तो यही कह रहे थे।	1
					4
	–	–	6		
	–	–	(क)	मुझे एक कप चाय चाहिए।	1
	–	–	(ख)	आप घर कब लौटेंगे?	1
	–	–	(ग)	गाँव में किसान मेहनत करते हैं।	1
	–	–	(घ)	सभा समाप्त हो गई।	1
					4

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
7	7	7	7	अर्थ स्पष्ट करने वाले उचित प्रयोग पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2
				खंड 'ग'	
8	8	9	13		
	(क)	(क)	(क)	• इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव को • उसका अवसरवादी होना, दिखावा करना, बार–बार अपनी बात से पलट जाना	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• प्राकृतिक असंतुलन • प्रदूषण वृद्धि • वृक्षों की कटाई • पक्षियों का बस्तियों से पलायन • समुद्री जमीन पर बस्तियों का निर्माण • नित नए रोगों का फैलना	2
	(ग)	(ग)	(ग)	जापान में झेन परंपरा के अनुसार चाय पीने की विधि को 'टी सेरेमनी' कहते हैं।	1 5
9	9	10	8	• कभी नष्ट न होने वाले जीवन मूल्य। सत्य, अहिंसा, समता, विश्वबंधुत्व आदि शाश्वत मूल्य हैं। (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उचित उत्तर पर अंक दें।)	1+4=5

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
10	10 (क)	8 (क)	10 (क)	• लाभ–हानि का हिसाब लगाकर ही काम करते हैं। • किसी भी तरीके से आगे निकलकर जीवन में सफल होने का प्रयास करते हैं।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• अपने साथ दूसरों का विकास करना ही महत्व की बात है। • इससे प्रेमभाव बढ़ता है और स्वस्थ समाज का निर्माण होता है।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	• आदर्शवादी लोगों ने जीवन मूल्यों को महत्व देते हुए अपने सात्विक जीवन से समाज को प्रभावित किया है।	1 5
11	11 (क)	13 (क)	12 (क)	• परस्पर शत्रुता रखने वाले शेर, हिरण, साँप और मोर आदि जीव भयंकर गर्मी से बचने के लिए एक साथ रहने लगते हैं। • आपसी वैर–भाव भूलकर प्रेमपूर्वक रहने का संदेश।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• विश्व के प्रति अपनत्व • परोपकारी • सहानुभूति • सबके विकास का भाव	2
	(ग)	(ग)	(ग)	हृदय / आत्मा / मन का प्रतीक	1 5

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
12	12	11	9	• देशभक्ति • सैनिकों का देश के लिए समर्पण और बलिदान • देश की रक्षा के लिए भावी सैनिक तैयार करने की भावना • संगीतात्मकता • ओजपूर्ण भाषा-शैली	5
13	13	12	11	• भिन्न धर्म से आने वाले इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला का धर्म से ऊपर उठकर मित्रता करना। • टोपी शुक्ला का इफ़्फ़न की दादी से गहरा लगाव। • टोपी शुक्ला और इफ़्फ़न के परिवारों के अलग-अलग परिवेश एवं विरोध के बावजूद दोनों की दोस्ती कायम रहना। • घरवालों से फटकार मिलने पर टोपी शुक्ला का नौकरानी सीता से सहानुभूति पाना। • प्रेम किसी बात का पाबंद नहीं होता, इसमें धर्म और जाति बाधा उत्पन्न नहीं कर सकते - लेखक का मानना।	5
				खंड 'घ'	
14	14	14	14	अनुच्छेद लेखन • विचारों की मौलिकता • प्रभावी प्रस्तुति • विषयानुकूल भाषा	 2 2 1 5

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
15	15	15	15	पत्र लेखन	
				• प्रारूप	1
				• विषय–वस्तु	3
				• भाषा	1
					5
16	16	18	18	विज्ञापन लेखन	
				• विचारों की मौलिकता	2
				• प्रभावी प्रस्तुति	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
17	17	17	17	संवाद–लेखन	
				• विचारों की मौलिकता	2
				• प्रभावी प्रस्तुति	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
18	18	16	16	सूचना लेखन	
				• विचारों की मौलिकता	2
				• प्रभावी प्रस्तुति	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5